राजस्थान राज्य कृषि विपणन बोर्ड

उपभोक्ता बरतें सावधानी

1. फल व सब्जियों को नल के साफ पानी से धोकर उपयोग में लायें।
2. सब्जियों को बहते पानी में धोने से मेथामिडोफोस कीटनाशी का अवशेष कम हो जाता है।
3. 2 % नमक के पानी में हरीमिर्च को 10 मिनिट तक डुबोने के बाद साफ पानी से धोने से साईपरमेथ्रिन,ट्राईजोफोस तथा एसीफेट के अवशेष कम हो जाते हैं।
4. आलू को नल के पानी या नीबू या नमक के पानी से धोने पर कीटनाशी अवशेष कम हो जाते हैं।
5. भिण्डी, टमाटर, बैंगन तथा बीन्स को साफ पानी से धोने से मेलाथियन, कार्बारिल तथा एन्डोसल्फान अवशेष कम हो जाते हैं।
6. क्लोरीनेटेड (500 पीपीएम) तथा आजोनेटेड (25 पीपीएम) पानी से कीटनाशी अवशेष को 50–100 प्रतिशत तक हटा देता है।
7. 0.1 प्रतिशत तरल डिटरजेन्ट, डाई एल्ड्रिन तथा हेप्टाक्लोर के अवशेष को 70 प्रतिशत तक कम कर देता है।
8. 1 मिनट तक उबलते पानी में ब्लान्चिंग करने से सब्जियों से कीटनाशी अवशेष कम किये जा सकते हैं।
9. धुलाई व ब्लान्चिग कीटनाशी अवशेष को दूर करने का कारगर उपाय है।
10. सब्जियों को छीलना भी कीटनाशी अवशेष को दूर करने का कारगर उपाय है।

- लेटयूस, पत्तागोभी से कीटनाशी अवशेष कम करने के लिए ऊपरी पत्तियों का आवरण हटा दें।
- जानवरों की चर्बी में से कीटनाशी अवशेष हटाने के लिए मांस से चर्बी को अलग करें। मुर्गे, मुर्गियों एवं मछली से वसा व चमडी को हटा दें।
- पकाकर, उबालकर, प्रसंस्करण करने से भी कीटनाशी अवशेष नष्ट किये जा सकते हैं।
- कीटनाशी अवशेष से बचने के लिए एक ही फल खाने के बजाय भिन्न–भिन्न प्रकार के फल व सब्जी बदल–बदल कर खायें।
- बे–मौसमी सब्जियों को त्यागने से कीटनाशकों के अवशेष के दुष्प्रभाव से बचा जा सकता है, क्योंकि बे–मौसमी फसलों पर कृषक अनियन्त्रित मात्रा में कीटनाशी प्रयोग कर बाजार में अच्छा भाव प्राप्त करने की कोशिश करते हैं।
- खेतों में सीवरेज पानी से सिंचाई तथा गंदे नालो के पास बोई गई सब्जियों से परहेज करें।
- उचित भंडारण से Mito-Toxins जहर कम होता है।

कृषि विपणन राजस्थान

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें

राजस्थान राज्य कृषि विपणन बोर्ड

पंत कृषि भवन, जनपथ, जयपुर दूरभाष : 0141–2227336 फैक्स : 0141–2227096
ई–मेल : rsamb@rajasthan.gov.in वेबसाइट : www.rsamb.rajasthan.gov.in

जनवरी 2014